

## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सूचीबद्ध जर्नलस में शोधपत्रों के प्रकाशन का विवरण

| क्र. | वर्ष | जर्नल                                  | ISSN No.  | शीर्षक                                                         |
|------|------|----------------------------------------|-----------|----------------------------------------------------------------|
| 1.   | 1991 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | सांख्य की मूलप्रकृति की संकल्पना                               |
| 2.   | 1994 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | सांख्य दर्शन की पुरुष संबंधी अवधारणा                           |
| 3.   | 1997 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | व्यक्तिगत संबंधों की अवधारणा (संदर्भ सांख्य एवं सार्त्र दर्शन) |
| 4.   | 1998 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | मोक्ष की प्रासंगिकता                                           |
| 5.   | 2001 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | सामान्य मानव के व्यावहारिक स्वरूप की दार्शनिक विवेचना          |
| 6.   | 2002 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | ओशो का चिंतन (संदर्भ गीता)                                     |
| 7.   | 2014 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | विभिन्न धार्मिक मान्यताओं में हिंसा तथा युद्ध दर्शन का प्रभाव  |
| 8.   | 2016 | परामर्श पुणेवि.वि.                     | 2320-4443 | गुरु ग्रंथ साहेब में वैराग्य शब्द                              |
| 9.   | 2022 | रिसर्चफ्रंट                            | 2250-2653 | कांट, कृ.च.भट्टाचार्य तथा योग                                  |
| 10   | 2019 | रिसर्चफ्रंट                            | 2250-2653 | भारतीय संस्कृति तथा भारतीय स्वभाव                              |
| 10   | 2023 | मुक्त शब्द                             | 4347-3150 | पर्यावरणीय आश्रम की संकल्पना                                   |
| 11   | 2023 | बहुरि नहि आवना                         | 2320-7604 | हिन्दु मुस्लि मसंबंध तथा महात्मागांधी के प्रयासों की विवेचना   |
| 12   | 2024 | शिवना साहित्यिकी                       | 2455-9717 | औपनिषदीय संस्कृति तथा स्वामी विवेकानंद का दर्शन                |
| 13   | 2024 | मुक्त शब्द                             | 2347-3150 | पर्यावरणीय आश्रम की संकल्पना                                   |
| 15   | 2024 | रिसर्च एक्सप्रेसन                      | 2456-3455 | सूफी साधना पथ का अध्ययन                                        |
| 16   | 2024 | चेतना भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला |           | स्वामी विवेकानंद के धर्मप्रत्यय की विवेचना                     |

## प्रकाशित अन्य दार्शनिक आलेख

- |                                                             |                                   |
|-------------------------------------------------------------|-----------------------------------|
| 1. शब्द मुक्ति का प्रत्यक्ष रूप खालसा                       | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 2. अद्वैत जीवन शैली तथा व्यावहारिक जीवन का विरोधाभास        | पारमिता (म.प्र. छ.ग दर्शन परिषद)  |
| 3. शीतलपुरुष दृष्टि सुजाणी                                  | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 4. पूर्ण ज्योति का व्यवस्थित आरोहण                          | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 5. सामाजिक जवाबदेही सिखदर्शन का मूल मर्म—                   | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 6. दसगुरु साहिबान द्वारा संचारित आदर्श सिख की दस विशेषताएं  | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 7. सिखमत तथा सात घाटिया                                     | गुरुमति ज्ञान अमृतसर              |
| 8. इस्लाम तथा आंतकवाद                                       | पारमिता (म.प्र. छ.ग. दर्शन परिषद) |
| 9. एक गुमनाम परंपराविरोधी दार्शनिक यू. जी. कृष्णमूर्ति      | पारमिता (म.प्र. छ.ग. दर्शन परिषद) |
| 10. भारतीय दार्शनिक व्यवहार तथा सार्वभौम धर्म               | पारमिता (म.प्र. छ.ग. दर्शन परिषद) |
| 11. भारत के देवी देवता तथा सांस्कृतिक मूल्यों का पुनः चिंतन | पारमिता(म.प्र. छ.ग. दर्शन परिषद)  |
| 12. आधुनिक भारत की समस्याएं तथा स्वामी विवेकानंद            | पारमिता(म.प्र. छ.ग. दर्शन परिषद)  |
| 13. फिर याद आए महात्मागांधी                                 | सबेरा संकेत राजनांदगांव           |
| 14. फिर बज उठा महाकाल का डमरू                               | सबेरा संकेतरा जनांदगांव           |
| 15. ओशो स्वयं द्वारा निर्मित छवि                            | सबेरा संकेत राजनांदगांव           |
| 16. स्वामी विवेकानंद को क्यों हमेशा याद रखना चाहिए          | सबेरा संकेत राजनांदगांव           |
| 17. मन की दार्शनिक खोज                                      | सबेरा संकेत राजनांदगांव           |

## प्रकाशित पुस्तकें

1. धार्मिक पुनर्विश्लेषण पर विमर्श संदर्भ सिख तथा सूफी मत

**ISBN**678-93-80213-04-0 पब्लिशर्स नईदिल्ली 2010

2. स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में भारतीय मूल्य

**ISBN**978-81-19585-55-7 2024 परब पब्लिकेशन

3. ओशो दर्शन पर तीन अलेख

**ISBN**978-81-19585-42-7 2024 परब पब्लिकेशन